DIET KANNUR

STEPS-2022

എസ്.എസ്.എൽ.സി വിദ്യാർത്ഥികൾക്കുള്ള പഠന സഹായി

ഹിന്ദി

ആമുഖം

കോവിഡ് പശ്ചാത്തലത്തിൽ ഓൺലൈനായിരുന്ന നമ്മുടെ പഠനം 2021 നവംബർ 1 ന് സ്കൂൾ തുറന്നതോടെ അധ്യാപകർക്കും, കുട്ടികൾക്കും, രക്ഷിതാക്കൾക്കും വലിയ ആശ്വാസമായി. ഓൺലൈൻ പഠനം നേരിട്ടുള്ള പഠനത്തിന് ബദലല്ലെന്ന് നമുക്കെല്ലാം അറിയാം. കുട്ടികൾക്ക് ഓൺലൈനിനൊപ്പം സഞ്ചരിക്കാനും പ്രതീക്ഷിതശേഷിയും ധാരണയും യഥാവസരം നേടാനും പരിമിതിയുണ്ടാവുക സ്വാഭാവികമാണ്. കുട്ടികൾ പരസ്പരവും, അധ്യാപകരും കുട്ടികളും, കുട്ടികളും സമൂഹവുമൊക്കെ തമ്മിലുള്ള ഇടപെടലുകൾ അർത്ഥപൂർണമായി നടക്കേണ്ടതുണ്ട്. മറ്റുള്ളവരുമായി ചർച്ചചെയ്തും പ്രവർത്തനത്തിലേർപ്പെട്ടും ചുറ്റുപാടുകളുമായി ഇടപെട്ടും ഒക്കെയാണ് പഠനം സാധ്യമാകുന്നത്. പക്ഷെ ചുരുങ്ങിയ കാലത്തെ ക്ലാസ്സ്റൂം പ്രവർത്തനങ്ങളും നീണ്ടകാലത്തെ ഓൺലൈൻ പഠനവും ഇതിനെല്ലാം ആനുപാതികമായ അവസരം പ്രദാനം ചെയ്യാൻ അപര്യാപ്തമാണ്. പത്താം തരത്തിലെ പൊതുപരീക്ഷ അഭിമുഖീകരിക്കുന്ന കുട്ടികളിൽ ഈ സാഹചര്യം ഉണ്ടാക്കാനിടയുള്ള സമ്മർദ്ദങ്ങളും ആശങ്കകളും നാം ദൂരീകരിക്കേണ്ടതുണ്ട്.

കുട്ടികളെ സൂക്ഷ്മമായി മനസ്സിലാക്കി അവരനുഭവിക്കുന്ന പഠന പ്രശ്നങ്ങൾ, അവരിൽ സംഭവിച്ചുപോയിട്ടുള്ള പഠനവിടവുകൾ പഠനനഷ്ടങ്ങൾ തുടങ്ങിയവ തിരിച്ചറിഞ്ഞ് അതിന് പരിഹാരമാകാവുന്ന പ്രവർത്തനങ്ങൾ നൽകി സഹായിക്കുക എന്നത് വലിയ ഒരു കൈത്താങ്ങായി അവർക്കനുഭവപ്പെടും. ഈ തിരിച്ചറിവിൽ നിന്നു രൂപപ്പെട്ടതാണ് സ്റ്റെപ്സ് എന്ന പഠനസഹായി. ജില്ലയിലെ വിദഗ്ധരായ അധ്യാപകരുടെ സഹായത്തോടെയാണ് കണ്ണൂർ ഡയറ്റ് സ്റ്റെപ്സ് തയ്യാറാക്കിയിട്ടുള്ളത്. അധ്യാപകർക്കും കുട്ടികൾക്കും ഇത് നന്നായി പ്രയോജനപ്പെടുമെന്ന പ്രതീക്ഷയോടെ സമർപ്പിക്കുന്നു.

ശ്രീ.കെ.എം.സോമരാജൻ
പ്രിൻസിപ്പാൾ
ഡയറ്റ് കണ്ണൂർ

STEPS – HINDI COACHING MODULE
DIET Kannur Jan. 2022

बीरबहूटीः

प्रश्न-उत्तर

1. बेला और साहिल स्कूल के लिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे। क्यों?
   बेला और साहिल स्कूल जाते समय खेत में बीरबहूटियाँ ढूँढते थे। इसलिए वे स्कूल के लिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे।
2. बीरबहूटी की विशेषताएँ क्या-क्या हैं?
   बीरबहूटियाँ सुर्ख, मुलायम और गदबदी होती हैं।
3. साहिल ने पैन में बची स्याही ज़मीन पर क्यों छिड़क दी?
   (पैन में बची स्याही - പേനയിൽ ബാക്കിയായ മഷി, छिड़क देना - കുടഞ്ഞുകളയുക)
   साहिल बेला के साथ पैन में नई स्याही भरवाने के लिए दुकान जा रहा था। इसलिए उसने पैन में बची स्याही ज़मीन पर छिड़क दी।
4. साहिल अपनी कलम में स्याही क्यों नहीं भर सका?
   दुकान में स्याही की बोतल खाली हो गई थी। इसलिए साहिल कलम में स्याही भरवा नहीं सका।
5. गणित के माटसाब से बच्चे क्यों बहुत डरते थे?
   गणित के माटसाब सुरेंदर ज़रा-सी गलती पर बच्चों की किताबें फेंक देते थे और बुरी तरह मारते थे। इसलिए बच्चे उनसे डरते थे।
6. सुरेंदर जी ने बेला के बालों में क्यों पंजा फँसाया था?
   (बालों में पंजा फँसाना - മുടിയിൽ പിടിക്കുക)
   कॉपी जाँचते समय ज़रा-सी गलती पर सुरेंदर माटसाब ने बेला के बालों में पंजा फँसाया।
7. 'बेला का मन बहुत खराब हो गया'- क्यों?
   बेला साहिल की नज़र में बहुत अच्छी लड़की है। उसका मन बहुत खराब हो गया। क्योंकि साहिल के सामने माटसाब से दंड पाना वह नहीं चाहती थी।
8. बेला को बच्चे क्यों चिढ़ा रहे थे? (चिढ़ाना - കളിയാക്കുക, ഞണ്ടിപിടിപ്പിക്കുക)
   बेला के सिर पर चोट लगने के कारण सफ़ेद पट्टी बाँधी थी। इसलिए बेला को बच्चे चिढ़ा रहे थे।
9. बेला के सिर पर चोट कैसे लगी थी?
   बेला छत से गिरी थी। इसलिए उलके सिर पर चोट लगी थी।
10. बेला और साहिल ने कहाँ लंगडी टाँग खेले?
    बेला और साहिल ने गाँधी चौक की बालू में पूरी खेल घंटी लंगड़ी टाँग खेले।
11. साहिल की पिंडली में चोट कैसे लगी?
    साहिल स्टूल पर चढ़कर नीम की डाली पकड़कर झूम रहा था। अचानक टूटे स्टूल की कील लगकर पिंडली में चोट लग गई।
12. बेला अगले साल कहाँ पढ़नेवाली थी?
    बेला अगले साल राजकीय कन्या पाठशाला में पढनेवाली थी।
13. साहिल अगले साल कहाँ पढ़नेवाला था?
    साहिल अगले साल अजमेर में हॉस्टल में रहकर पढ़नेवाला था।
14. बेला और साहिल मुस्कुरा रहे थे। लेकिन आँखें भरी थीं। क्यों? (आँखें भरना - കണ്ണ് നിറയുക)
    परीक्षा पास होने से बेला और साहिल खुश थे। लेकिन अगले साल दोनों अलग-अलग स्कूलों में पढ़नेवाले होने के कारण बहुत दुखी भी थे।
15. रिज़ल्ट आने पर बेला और साहिल क्यों उदास थे? (उदास – दुखी)

अगले साल बेला और साहिल दोनों अलग-अलग स्कूलों में पढ़नेवाले थे। इसलिए दोनों उदास थे।

बातचीत (वार्तालाप) ध्यान दें:

- सबसे पहले बातचीत का प्रसंग समझना चाहिए।
  (प्रसंग पर सीमित रहकर बातचीत तैयार करनी है)।
- पूर्ण वाक्य में होना अनिवार्य नहीं, वाक्यांश या शब्द भी हो सकता है।
- चार विनिमय अवश्य लिखें।
  (विनिमय की संख्या से महत्वपूर्ण घटना की पूर्ति है, आशय की पूर्ति भी।)

बातचीतः

'बीरबहूटी' कहानी का यह अंश पढ़ें और बेला और साहिल के बीच की बातचीत तैयार करें।

"पाँचवीं का रिज़ल्ट आ गया। दोनों छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था।"

बेलाः साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे?

साहिलः और तुम कहाँ पढ़ोगी बेला?

बेलाः मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे। और तुम?

साहिलः मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। वहाँ एक हॉस्टल है, घर से दूर वहाँ अकेला रहूँगा।

बेलाः क्यों साहिल?

साहिलः पता नहीं क्यों?

बेलाः यानी कि अब तुम फुलेरा में ही नहीं रहोगे?

साहिलः नहीं। तुम्हारा रिपोर्ट कार्ड दिखाना।

(दोनों एक दूसरे का रिपोर्ट कार्ड देखते हैं।)

पटकथाः ध्यान दें-

सबसे पहले हमें ठीक तरह से प्रसंग समझना चाहिए।

प्रसंग के आधार पर संवाद भी जोड़ना है।

दृश्य कहाँ होता है? - **स्थान**

दृश्य कब होता है? - **समय**

दृश्य में कौन-कौन आते हैं - **पात्र (नाम, आयु, वेशभूषा)**

दृश्य का विवरण

संवादः

पात्रों के अनुकूल, दो-तीन विनिमय काफी होता है।

पटकथा

उदाः 'बीरबहूटी' कहानी का यह अंश पढ़कर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें।

"दीपावली की छुट्टियों के बाद जब स्कूल खुला तो बेला के सिर पर सफ़ेद पट्टी बँधी थी।"

दृश्यः

स्थानः स्कूल का रास्ता (मार्ग)

समयः सुबह नौ बजे

पात्रः 1. बेला, करीब 11 साल की लड़की, स्कूल यूनिफार्म पहनी है। पीठ पर बस्ता है। बाल लाल रिबन से बँधे हैं। सिर पर सफ़ेद पट्टी है।

2. साहिल, करीब 11 साल का लड़का, स्कूल यूनिफार्म पहना है, पीठ पर बस्ता है।

संवादः

(मार्ग में छुट्टियों के बाद पहली बार मिलते ही, साहिल पूछता है)

साहिलः (बड़े आश्चर्य से) अरे! यह क्या हो गया बेला? तुम्हारे सिर पर सफ़ेद पट्टी बँधी है।

बेलाः छत से गिर गई। बहुत दिन हो गए।

साहिलः तुम्हें दर्द लगता है क्या?

बेलाः ठीक हो रहा है। कोई बात नहीं। आज खेल घंटी में हम लंगड़ी टाँग खेलेंगे।

साहिलः नहीं खेलेंगे। तेरे सिर में फिर से लग जाएगी तो....?

बेलाः नहीं लगेगी। कुछ नहीं होगा। चलो, स्कूल जाएँ।

(दोनों स्कूल की ओर जाते हैं।)

वाक्य पिरामिडः

बेला के बाल बँधे थे।

बेला के बाल रिबन से बँधे थे।

.....

.....

(लाल, भूरे)

उत्तरः

बेला के बाल बँधे थे।

बेला के बाल रिबन से बँधे थे।

बेला के बाल **लाल** रिबन से बँधे थे।

बेला के **भूरे** बाल लाल रिबन से बँधे थे।

- पिरामिड का विकास क्रम से हो।
- सार्थक वाक्य ही बनाते जाएँ।

पोस्टरः

उदाः

प्रेमचंद हिंदी मंच, तलिपरंबा

प्रस्तुत करता है

बीरबहूटी

एकाँकी

(रचनाकारः प्रभात)

निदेशकः **डॉ. के. मनोहर**

तलिपरंबा नीलांबरी ऑडिटोरियम में

मंगलवार, 23 फरवरी 2021, शामको 6 बजे

सबका स्वागत है

सचिव, प्रेमचंद हिंदी मंच

पोस्टर तैयार करते समय किस-किस बात पर ध्यान देना है?

आकर्षक हो। आकर्षणीयता के लिए मात्र अंक नहीं मिलेगा। भाषा विषय के पोस्टर में ज़रूरी वाक्य जोड़ना अनिवार्य माना जाता है।

प्रायः दो प्रकार के पोस्टर हमारी परीक्षाओं में आते हैं-

1. कार्यक्रम 2. संदेशसूचक

कार्यक्रम पोस्टर में:

- क्या कार्यक्रम है?
- किस तारीख को? किस समय?
- कहाँ चलता है?
- कौन-कौन भाग लेते हैं?
- कार्यक्रम किसकी ओर से आयोजित है?

आदि बातें ज़रूर हों

कुछ विषय:

- बालश्रम (बालश्रम कानूनी अरपाध है।)
- जातीय असमानता (जातीय असमानता सामाजिक अभिशाप है।)
- लिंगपरक असमानता (लिंगपरक असमानता अमानवीय (inhuman) है।)

पत्र:

ध्यान दें:

- कौन लिखता है?
- कहाँ से लिखा जाता है? (**स्थान** यह होता है)
- कब लिखा जाता है? (पत्र की **तारीख** यह होती है)
- संबोधन क्या हो? (**प्रिय मित्र, प्रिय दोस्त, प्रिय साहिल, प्रिय बेला, प्यारी माँ, पूज्य पिताजी**, ...)
- स्वनिर्देश क्या हो? (**तुम्हारा मित्र, तुम्हारा दोस्त, आपका बेटा, तुम्हारी माँ**, ...)
- किसके नाम लिखा जाता है? (**सेवा में नाम और पता** इनके होते हैं)
- पत्र लिखने का उद्देश्य क्या होता है**? (मुख्य कलेवर में यह दिया जाता है)**

मान लें (സങ്കൽപിക്കുക) साहिल अजमेर में अपने नए स्कूल में पढ़ रहा है। वह अपने नए स्कूल का वर्णन करते हुए सहेली बेला के नाम पत्र लिखता है।

स्थान: अजमेर,
तारीख: 5-6-1981 ।

प्रिय बेला,

नमस्ते! तुम कैसी हो? तुम्हारी पढ़ाई कैसी चल रही है? तुम्हारे घर में सब कैसे हैं? मैं यहाँ ठीक हूँ।

मैं इस पत्र में अपने नए स्कूल का वर्णन करना चाहता हूँ। यह एक बड़ा स्कूल है। यहाँ पहली कक्षा से लेकर बारहवीं तक की कक्षाएँ हैं। बड़ा मैदान और बड़े-बड़े मकान हैं। स्कूल में विभिन्न प्रकार के खेलों की सुविधाएँ हैं। हॉस्टल में अच्छी सुविधाएँ हैं। मुझे नए-नए मित्र मिले हैं। यहाँ अनुशासन का पालन सख्ती से करना पड़ता है। यहाँ हॉस्टल में रहते समय मैं तुम्हारी दोस्ती की याद करता हूँ। छुट्टियों में आते समय ज़रूर तुमसे मिलूँगा।

तुम्हारे माँ-बाप को मेरा प्रणाम। छोटे भाई को प्यार।

तुम्हारा मित्र,
(हस्ताक्षर)
साहिल।

सेवा में

बेला एम.के.

.....,

फुलेरा।

स्थानः.....,

तारीखः .....

संबोधन,

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

स्वनिर्देश

(हस्ताक्षर)

नाम

सेवा में

नाम,

पता.....

.....

डायरी

ध्यान दें:

तारीख अवश्य लिखें। जिस समय की घटना है उस समय की तारीख लिखें।

(उदाः बीरबहूटीः 1981 की तारीख लिखें।)

प्रसंग को अच्छी तरह से समझ लें।

डायरी एक दिन की होती है। कई दिनों की बातों को डायरी में जोड़ने का प्रयास न करें।

पूर्ण वाक्य अनिवार्य नहीं, वाक्यांश भी दे सकते हैं।

प्रयोग दिल को छूनेवाले (हृदयस्पर्शी) हो।

बढ़ा-चढ़ाकर न लिखा जाए।

विराम चिह्नों का प्रयोग अच्छा प्रभाव डालने में सहायक हो सकता है। (उदाः !, ?, ...)

पाँचवीं का रिसल्ट आ गया। बेला और साहिल छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था। अगले साल दोनों अलग–अलग स्कूलों में जानेवाले हैं। साहिल के उस दिन की डायरी लिखें।

तारीखः 5–6–1981

आज हमारा रिसल्ट आया। मैं और बेला पाँचवीं पास होकर छठी में आ गए। हम दोनों रिसल्ट में खुश थे। लेकिन अगले साल बेला राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़नेवाली है और मैं अजमेर में हॉस्टल में रहकर पढ़नेवाला। सालों से एकसाथ पढ़नेवाले दोनों अलग–अलग स्कूलों में जानेवाले हैं। परीक्षाफल

जानकर हम खुश थे लेकिन उसके बाद हमारी आँखें भर गई थीं। क्या करें। अगले साल मुझे नए मित्र मिलनेवाले होंगे। लेकिन बेला की दोस्ती वहुत अच्छी है। मैं उसे भूल नहीं सकता। आज का दिन मेरे लिए एक विशेष दिन था।

(ध्यान दें: इसी संदर्भ में बेला की डायरी की भी संभावना है)

कुछ लघूत्तर प्रश्नों में वैयक्तिक रूप से मत प्रकट करने का अवसर मिलता है उस प्रकार के कुछ प्रश्नों में ऐसे अंश भी होते हैं-

आपका विचार क्या है?
आपका मत क्या है?
अपना मत प्रकट कीजिए।
आप क्या कहना चाहते हैं?
आपकी राय क्या है?
आप कहाँ तक सहमत हैं?

उत्तर में:

- मेरा विचार है-
- मेरा मत है-
- मेरा मत यह है कि -
- मेरी राय है-
- मैं सहमत हूँ, मैं सहमत नहीं हूँ, मैं बिलकुल सहमत हूँ, ... ऐसे अंश ज़रूर हो।

7. सही मिलान करें/सही जोड़े लगाएँ।

उदा:

बीरबहूटी	नरेश सक्सेना
टूटा पहिया	मिहिर पाण्डेय
हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था	प्रभात
आई एम कलाम के बहाने	धर्मवीर भारती

साहिल	गणित के माटसाब
मोरपाल	राणा का बेटा
रणविजय	गरीब लड़का
सुरेंदर	पाँचवीं का छात्र

टूटा पहियाः

1. टूटा पहिया क्यों कहता है कि मुझे फेंको मत?

टूटा पहिया प्रायः अनुपयोगी माना जाता है और फेंक दिया जाता है। इसलिए टूटा पहिया कहता है कि मुझे फेंको मत।

2. 'इस दुरूह चक्रव्यूह में' – चक्रव्यूह को 'दुरूह' क्यों कहा गया है?

चक्रव्यूह दुरूह ही है क्योंकि उसे भेदकर अंदर जाना साधारण योद्धा नहीं कर सकता। अभिमन्यु जैसे महायोद्धा ही उसमें प्रवेश कर सकते हैं।

3. अभिमन्यु को 'दुस्साहसी' क्यों कहा गया है?

अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देना, चक्रव्यूह भेदकर अंदर जाना आदि साधारण–सी बात नहीं है। इसलिए ऐसा कार्य करने के लिए तैयार हुए युवक अभिमन्यु को दुस्साहसी कहा गया है।

4. यहाँ 'अकेली निहत्थी आवाज़' किसकी है?

यहाँ 'अकेली निहत्थी आवाज़' अभिमन्यु की है।

5. 'लोहा लेना' से क्या तात्पर्य है?

'लोहा लेना' का मतलब है सामना करना या मुकाबला करना।

6. 'इतिहासों की सामूहिक गति सहसा झूठी पड़ जाने पर' – ऐसा क्यों कहा गया है?

युद्ध क्षेत्र में अभिमन्यु की वीरमृत्यु होते समय उसके चारों ओर सिर्फ दुश्मन लोग थे। याने वहाँ अभिमन्यु के पक्ष में बोलने के लिए एक टूटे पहिए के अलावा और कोई नहीं था।

7. 'क्या जाने सच्चाई टूटे पहियों का आश्रय ले' – इससे आप लोग क्या समझते हैं?

दुश्मनों के मध्य में अकेले ही वीरमृत्यु होते समय अभिमन्यु के पक्ष में एक टूटे पहिए के अलावा और कोई नहीं था। याने अभिमन्यु के पक्ष में सच्चाई बोलने के लिए वहाँ टूटा पहिया मात्र था।

सूचनाः 'टूटा पहिया' कविता का यह अंश पढ़ें और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी
बड़े–बड़े महारथी
अकेली निहत्थी आवाज़ को
अपने ब्रह्मास्त्रों से कुचल देना चाहें
तब मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया
उसके हाथों में ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ!

प्रः यहाँ किसके पक्ष को असत्य का पक्ष माना गया है?

उः यहाँ कौरव पक्ष को असत्य का पक्ष माना गया है।

प्रः 'अकेली निहत्थी आवाज़'– यहाँ किसके बारे में संकेत है?

उः यहाँ अभिमन्यु की ओर संकेत है।

पंक्तियों का आशयः

यह हिंदी के प्रसिद्ध कवि धर्मवीर भारती की 'टूटा पहिया' नामक कविता का अंश है। इस कविता के द्वारा कवि तुच्छ मानव के महत्व पर बल देते हैं। कविता में कहते हैं कि बड़े–बड़े महारथी अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी अकेली आवाज़ को कुचल देना चाहता है। वर्तमान समाज में भी एक आम आदमी को शासक लोग उतना महत्व नहीं देते। लेकिन कवि याद दिलाना चाहते हैं कि समाज में तुच्छ माने जानेवाला आदमी का भी अपना महत्व है। जनतंत्र में भी एक आदमी (मतदाता) शासन का निर्णय तक कर सकता है।

तुच्छः നിസ്സാരമായ शासकः ഭരണാധികാരി याद दिलानाः ഓർമ്മിപ്പിക്കുക जनतंत्रः ജനാധിപത്യം मतदाताः വോട്ടർ शासनः ഭരണം

सूचनाः 'टूटा पहिया' कविता का यह अंश पढ़ें और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैं
रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत!

प्रः टूटा पहिया ऐसा क्यों कहता है?

उः चक्रव्यूह में फँसे बड़े महारथी अभिमन्यु की रक्षा करने के लिए थोड़ी देर के लिए एक टूटा पहिया ही साथ था। टूटे पहिए को हम तुच्छ मानकर फेंक देते हैं। लेकिन महायोद्धा अभिमन्यु की रक्षा उस तुच्छ टूटा पहिया ही कर रहा था। उन्हें छोड़ देना नहीं चाहिए। कभी–कभी वह भी बड़ा सहायक बन सकता है।

इस कविता में 'टूटा पहिया' आम जनता का प्रतिनिधित्व करता है।

युद्धक्षेत्र में महायोद्धा अभिमन्यु की सहायता करने के लिए केवल एक टूटा पहिया ही साथ था जिसको हम अनुपयोगी मानते हैं। इस प्रकार निस्सार समझी जानेवाली बातें भी बड़ी कठिनाई के अवसरों पर हमारी रक्षा करने के लिए सहायक हो सकती हैं। इसी प्रकार प्रजातंत्र में एक मामूली व्यक्ति का भी महत्वपूर्ण स्थान है।

कविता का अशय - टिप्पणी

कविता का आशय - टिप्पणी कैसे लिखें?

- तीन खंडों में लिखना अच्छा होता है।
- पहले खंड में कवि और कविता का परिचय दे सकते हैं।
- दूसरे खंड में कविता की व्याख्या देना है।
- तीसरे खंड में कविता की प्रासंगिकता, अपना विचार, पसंद की पंक्तियाँ (हैं तो) आदि जोड़ सकते हैं।

पहले खंड में ऐसे वाक्य जोड़ सकते हैं-

हिंदी के मशहूर कवि धर्मवीर भारती की एक अच्छी कविता है 'टूटा पहिया'।
'अकाल और उसके बाद' हिंदी के प्रसिद्ध कवि नागार्जुन की एक बहुचर्चित कविता है।
हिंदी के प्रसिद्ध कवि राजेश जोशी की एक अच्छी कविता है 'बच्चे काम पर जा रहे हैं'।

तीसरे खंड में ऐसे वाक्य अच्छे होते हैं-

लघु मानव के महत्व पर बल देनेवाली यह कविता बिलकुल अच्छी और प्रासंगिक है।
अकाल ग्रस्त घर की शोचनीय दशा दिखानेवाली यह कविता बिलकुल अच्छी और प्रासंगिक है।
बालश्रम एक सामाजिक अभिशाप है। बालश्रम के खिलाफ पाठकों को जागृत करनेवाली यह कविता बिलकुल अच्छी है, प्रासंगिक भी है।

इसी प्रकार कविता का अंश देकर कविता की प्रासंगिकता पर टिप्पणी लिखने का निर्देश भी मिलता है। उसमें भी ऐसा ही क्रम अपनाया जाता है। लेकिन प्रासंगिकता पर बल दिया जाता है। तीसरे खंड पर ज़्यादा महत्व देना पड़ता है।

कविता के आधार पर आस्वादन टिप्पणी/कविता का आशय लिखें।

टूटा पहिया हिंदी के मशहूर कवि धर्मवीर भारती की एक प्रसिद्ध कविता है। इस कविता के द्वारा कवि लघु मानव के महत्व पर बल देते हैं। यह एक प्रतीकात्मक कविता है।

कवि महाभारत के एक पौराणिक प्रसंग का सहारा लेते हैं। चक्रव्यूह में प्रवेश करके अभिमन्यु उसमें फँस जाता है। कौरव पक्ष के सभी महायोद्धा एकसाथ मिलकर अभिमन्यु पर आक्रमण करते हैं। उसके घोड़े, रथ, हथियार– सब नष्ट कर देते हैं। तब उसे रथ का एक टूटा पहिया ही एकमात्र सहारा बन जाता है। इस टूटे पहिए की सहायता से वह उन महारथियों से थोड़ी देर के लिए अपनी रक्षा करता है और अंत में वीरमृत्यु प्राप्त करता है।

यहाँ एक सारहीन या तुच्छ टूटा पहिया ही वीर योद्धा अभिमन्यु के लिए सहायक बनता है। इसी प्रकार समाज के तुच्छ माने जानेवाले मानव भी क्रांति (विप्लव) के वाहक बन सकते हैं और सामाजिक परिवर्तन संभव करा सकते हैं। अतः हमें यह मानना चाहिए कि समाज के तुच्छ माने जानेवाली बातें भी कभी–न–कभी बड़ी सहायक हो सकती हैं।

वर्तमान समाज में भी तुच्छ माने जानेवाले मानव का महत्वपूर्ण स्थान है। सच्चे प्रजातंत्र में कोई भी व्यक्ति तुच्छ नहीं होता। शासन का निर्णय भी उसके हाथों से हो सकता है। याने यह कविता बिलकुल अच्छी और प्रासंगिक है। (महारथीः മഹാരഥൻ, प्रजातंत्रः ജനാധിപത്യം)

आई एम कलाम के बहानेः

कुछ लघूत्तर प्रश्नः

1. बचपन में मिहिर का साथी कौन था?
   मोरपाल।
2. अग्रेज़ी मास्टर जी का नाम क्या था?
   तिवारी जी।
3. मिहिर और मोरपाल साथ–साथ बैठते थे। क्यों?
   नाम का पहला अक्षर मिलने की वजह से।
4. मिहिर और मोरपाल का सौदा क्या था?
   खाने की अदला बदली का।
5. मिहिर की कमज़ोरी क्या थी?
   छाछ।
6. राजमा–चावल किसको पसंद है?
   मोरपाल को।
7. मोरपाल कैसे स्कूल आता था?
   साइकिल चलाकर।
8. मोरपाल कितने दूर से स्कूल आता था?
   पन्द्रह किलोमीटर।
9. किसको स्कूल जाना पसंद नहीं था?
   मिहिर को।
10. मिहिर के स्कूल यूनिफार्म का रंग क्या था?
    नीली–खाकी।

11. मिहिर के अनुसार मोरपाल हफ़्ते के किस दिन को सबसे बुरा मानता था?
रविवार के दिन को।
12. मिहिर के अनुसार मोरपाल हफ़्ते के किस दिन को सबसे बुरा मानता था। क्यों?
रविवार को घर पर कमर तोड़ मेहनत करना पड़ता था।
13. लेखक बारिश के दिन घर पर नाचा करता था। क्यों?
तेज़ बारिश के अवसर पर स्कूल की छुट्ठी होती थी। उसे स्कूल जाना पसंद नहीं था।
14. 'अई एम कलाम' फिल्म के मुख्य पात्र कौन कौन हैं?
छोटू और रणविजय।
15. 'अई एम कलाम' फिल्म के नायक कौन हैं?
छोटू (कलाम)।
16. छोटू ने किस को पेड़ पर चढ़ना सिखाया?
रणविजय को।
17. छोटू का सपना क्या था?
स्कूल जाना और टीवी में देखे लंबे बालों वाले कलाम जैसा बनना।
18. छोटू कहाँ काम करता है?
चाय की धड़ी में।
20. रणविजय कौन है?
ढाणी के राणा का बेटा।
21. लूसी मैडम कौन है?
एक विदेशी टूरिस्ट।
22. भाषण प्रतियोगिता में किसने रणविज की सहायता की?
कलाम ने।
22. भाषण प्रतियोगिता में किसको प्रथम पुरस्कार मिला?
रणविजय को।
23. कलाम चोरी का आरोप सह जाता है। क्यों?
वह अपनी दोस्ती का प्रण तोड़ना नहीं चाहता था।

वाक्य पिरामिडः

नायक का नाम कलाम नहीं है।
नायक का असल नाम कलाम नहीं है।
.....
.....
(हमारे नायक का, फिल्म में)

नायक का नाम कलाम नहीं है।
नायक का असल नाम कलाम नहीं है।
हमारे नायक का असल नाम कलाम नहीं है।
फिल्म में हमारे नायक का असल नाम कलाम नहीं है।

प्रः मोरपाल के संबंध में आप लोग क्या जानते हैं?
उः मोरपाल मिहिर का अच्छा मित्र था। वह एक गरीब परिवार का था। वह रोज़ 15 किलोमीटर साइकिल चलाकर स्कूल आता था। वह अपने घर से छाछ लाता था और वह मिहिर को देकर मिहिर का राजमा–चावल खाता था। मोरपाल रोज़ यूनिफार्म पहनना और स्कूल जाना पसंद करता था।

4. **मोरपाल की डायरी** – मोरपाल और मिहिर खेल घंटी में खाने की अदला–बदली करते थे। मोरपाल पहली पहली बार राजमा देख रहा था –

तारीखः 10–10–2000

आज भी मैं रोज़ की तरह साइकिल चलाकर स्कूल गया। मेरा मित्र अमीर परिवार का मिहिर बहुत अच्छा लड़का है। वह मेरे साथ दोस्ती करता है और हम दोनों मिलकर खाना भी खाते हैं। उसे मेरे डब्बे का छाछ बहुत पसंद है। इसलिए उसने मेरे छाछ को लेकर अपने खाने का डिब्बा मुझे दे दिया। उसमें राजमा–चावल था। उसका खाना बहुत स्वादिष्ट था। मैंने आज पहली बार राजमा खाया। मेरे जैसे गरीब लोगों के घर में राजमा आता ही नहीं। लेकिन मेरे अच्छे मित्र मिहिर की सहायता से मैं राजमा खा सका। उसने खुशी के साथ दे दिया और मैंने अच्छी तरह खा लिया। हम दोनों रोज़ मिलकर खाएँगे। मिहिर मेरा सबसे अच्छा मित्र है। आज का दिन मेरे लिए एक विशेष दिन था।

<u>सबसे बड़ा शो मैनः</u>

वाक्य पिरामिडः

यह पहला शो था।
शो मैन का यह पहला शो था।
.....
.....
(सबसे बड़े, दुनिया के)

यह पहला शो था।
शो मैन का यह पहला शो था।
सबसे बड़े *शो मैन का यह पहला शो था।*
दुनिया के *सबसे बड़े शो मैन का यह पहला शो था।*

वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें।

चार्ली ने गाना शुरू किया।
.....
.....
चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया।

उत्तरः

चार्ली ने गाना शुरू किया।
चार्ली ने जैक जोन्स गाना शुरू किया।
चार्ली ने गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया।
चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया।

सूचनाः 'सबसे बड़ा शो मैन' जीवनी का अंश पढ़ें और दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखें।

"कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर उसके छोटे बच्चे की तारीफ़ की। चार्ली स्टेज पर पहली बार आया और माँ आखिरी बार... दुनिया के सबसे बड़े शो मैन का यह पहला शो था।"

प्रस्तुत प्रसंग पर **मित्र के नाम पर चार्ली की माँ का पत्र** लिखें।

स्थानः लंदन,
तारीखः 5–10–1894

प्रिय मेरी,

तुम कैसी हो? घर में सब कैसे हैं? तुम्हारा काम कैसा चलता है? मैं यहाँ ठीक हूँ।

आज मैं एक संगीत कार्यक्रम में गीत गाते समय मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गई। दर्शकों को पहले पता नहीं चला। उनका विचार था कि माइक खराब है। जब उन्हें पता चला बड़ा हल्ला मचाने लगे। मैनेजर मेरे छोटे बेटे को स्टेज पहुँचाकर स्टेज सँभाल रहे थे। पाँच साल का होने पर भी मेरे चार्ली ने गीत गाकर, अभिनय करके, नकल उतारके सभी को आकर्षित किया। दर्शकों की ओर से पैसों की बौछार हुई। उसने नकल उतारते समय मुझे भी नहीं छोड़ा था। आज मेरा अंतिम स्टेज था।

तुम्हारे माँ–बाप को मेरा प्रणाम। तुम्हारे बच्चों को प्यार।

तुम्हारी सहेली,
(हस्ताक्षर)
हैना चैप्लिन।

सेवा में

मेरी जोसफ़,

.....

.....

सूचनाः निम्नलिखित अंश पढ़ें और दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखें।

"मासूमियत में उसने थोड़ी देर पहले फटी माँ की आवाज़ और उसके फुसफुसाने की भी नकल उतारी।"

प्रः चार्ली के इस व्यवहार पर आप अपना विचार प्रकट करें।

उः चार्ली केवल पाँच साल का एक छोटा लड़का है। वह गीत गाने, अभिनय करने और किसी का नकल करने में बहुत होशियार है। जब उसकी माँ की आवाज़ में फुसफुसाहट आई और उसे स्टेज छोड़ना पड़ा, चार्ली स्टेज पर कार्यक्रम प्रस्तुत करने में मज़बूर हो जाता है। इस समय – वह अन्य लोगों के नकल उतारते समय अपनी माँ की फटी आवाज़ को भी नहीं छोड़ा। इससे उस छोटे बच्चे की मासूमियत भी व्यक्त होती है

प्रः चार्ली की प्रस्तुति पर दर्शकों की प्रतिक्रिया क्या थी?

उः दर्शकों ने देर तक खड़े होकर तालियाँ बजाईं। कई लोगों ने माँ से हाथ मिलाकर चार्ली की तारीफ की।

चार्ली की माँ की डायरी।

तारीखः5–10–1894.

आज मेरी जिंदगी में एक विचित्र घटना हुई। जब मैं स्टेज पर गाना गा रही थी तब मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में बदल गई। पहले दर्शक लोग सोच रहे थे कि माइक खराब है। लेकिन जब उन्हें पता चला कि मैं गा नहीं पा रही हूँ वे म्याऊँ–म्याऊँ करने लगे, हल्ला मचाने लगे। हे भगवान! मैं बहुत डर गई थी। मेरे सामने कोई उपाय नहीं था। मैं ने स्टेज छोड़ दिया। मैनेजर ने मेरे बेटे को मज़बूर करके स्टेज पर भेजा। क्योंकि उन्होंने चार्ली को गीत गाते हुए, अभिनय करते हुए और किसी का नकल उतारते हुए देखा था। चार्ली गीत गाना शुरू किया। पहले उसका गाना आर्कस्ट्रा के साथ नहीं चल रहा था। लेकिन जल्दी ही ठीक हो गया। उसने गीत गाकर, अभिनय करके और नकल उतारकर दर्शकों को बहुत खुश किया। नकल

उतारते समय मेरी फटी आवाज़ को भी उसने नहीं छोड़ा था। स्टेज पर पैसों की बौछार हुई। उस प्रकार मैं अपमान से बच गई। सभी लोग मेरे पास आकर बेटे की तारीफ करने लगे। आज का दिन मेरे लिए एक विशेष दिन था।

बातचीतः

चार्ली और उसकी माँ के बीच की **बातचीत**।

माँः आज तूने कमाल कर दिया बेटे।

चार्लीः लेकिन मैं खुश नहीं हूँ, अम्मा।

माँः क्यों बेटे?

चार्लीः क्योंकि आपकी हालत से मैं बहुत दुखी था। मैं लोगों को हँसाने का प्रयास कर रहा था। लेकिन मेरा मन बिलकुल अशांत था।

माँः क्या करूँ बेटा, मैं तुम्हें स्टेज पर भेजना नहीं चाहती थी। लेकिन उस मैनेजर की बातों से मैं बच नहीं पाई।

चार्लीः मेरा गाना शुरू–शुरू में ठीक नहीं निकलता था। फिर आर्कस्ट्रावाले भी साथ देने लगे तो गाना सजने लगा।

माँः जो भी हो, तुम्हारी प्रस्तुति बिलकुल अच्छी थी। लोगों की प्रतिक्रिया वह व्यक्त करती थी।

चार्लीः मैं लोगों को हँसाने के लिए गायकों की नकल उतारते समय आपको भी नहीं छोड़ा था। क्योंकि मेरा लक्ष्य लोगों को हँसाना था।

माँः लेकिन तुम्हारी प्रस्तुति ने हॉल को हँसीघर में बदल दिया था। लोग बहुत खुश थे। उस खुशी में मैं अपना दुख भी भूल गयी बेटा।

चार्लीः भूल जाओ माँ, सब ठीक हो जाएगा।

रपटः ध्यान दें-

रपट में क्या-क्या हो?

- क्या? What? कार्यक्रम/घटना क्या है?
- कहाँ? Where? कहाँ चलता/ती है?
- कब? When? कब चलता/ती है?
- कौन-कौन? Who? किस-किस की भूमिका है?
- कैसे? How? कैसा/सी चलता/ती है?
- शीर्षक भी हो - एक उचित शीर्षक भी दें।

चैप्लिन का शानदार स्टेज शो – **रपट**

माँ की आवाज़ फटी; बेटा बना शो मैन

आल्डरशॉटः यहाँ के थियटर में गायिका हैना चैप्लिन गीत गाते समय उनकी आवाज़ फटी और दर्शक चिल्लाने लगे। तब उनका पाँच साल का बेटा चार्ली स्टेज पर आया और दर्शकों को अपनी प्रस्तुति से शांत कराया। माँ का डर था कि छोटा बच्चा इस उग्र भीड़ को कैसे झेल पाएगा। लेकिन धीरे–धीरे उसका गाना सजने लगा और दर्शक बहुत खुश होकर हँसने लगे और स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हुई। बच्चे ने गीत गाने के साथ दर्शकों से बातचीत की और अपनी माँ सहित कई गायकों की नकल उतारी। अंत में दर्शकों ने खड़े होकर देर तक तालियाँ बजायीं और माँ से हाथ मिलाकर बेटे की तारीफ़ की।

अकाल और उसके बादः

कविताँश पर **आस्वादन टिप्पणी**

ये पंक्तियाँ हिंदी के प्रसिद्ध कवि नागार्जुन की कविता 'अकाल और उसके बाद' से ली गई हैं। इस कवितांश के द्वारा कवि यह बताना चाहते हैं कि अकाल का प्रभाव मनुष्यों पर ही नहीं छोटे–छोटे जीव–जंतुओं पर भी कितना होता है।

कवि इस कविता के द्वारा यह व्यक्त करना चाहते हैं कि अकाल के कारण घर के मानवों के साथ उस घर में रहनेवाले विभिन्न जीव–जंतुओं पर भी पड़ता है। यदि घर का चूल्हा जलता है और खाना पकाया जाता है तो उसका एक छोटा–सा अंश उस घर में रहनेवाले विभिन्न प्रकार के (छोटे–से–छोटे से लेकर बड़े तक) जीव–जंतुओं को मिलता है। घर में खाना न पकाने के कारण चूल्हा रोने लगा और चक्की उदास रहने लगी। उसके पास ही कानी कुतिया उदास सोती है। खाने की तलाश में छिपकलियाँ दीवार पर इधर–उधर चलने लगी। चूहों की भी हालत भिन्न नहीं है।

परिवारों की गरीबी और आर्थिक कठिनाई का असर उस परिवार या घर के सभी पर पड़ता है। अकाल की पीड़ित घर की शोचनीय दशा का मार्मिक वर्णन करनेवाला यह कवितांश बिलकुल अच्छा और प्रासंगिक है।

'कानी कुतिया' में से विशेषण शब्द चुनकर लिखें।
'कानी कुतिया' में **कानी** विशेषण है।

कविताँश का आशयः (2)

हिंदी साहित्य के मशहूर कवि बाबा नागार्जुन ने अपनी वैयक्तिक जीवन में भी गरीबी और आर्थिक कठिनाइयों का अनुभव किया था। उन्होंने अपनी कविता 'अकाल और उसके बाद' में अकाल से ग्रस्त एक घर का बारीक वर्णन किया है। यह कविता बंगाल के अकाल के संदर्भ में लिखा गया माना जाता है।

अकाल के प्रभाव से घर में कुछ भी अनाज नहीं हैं। इसी कारण चूल्हा और चक्की का कोई काम नहीं है, दोनों उदास और निष्प्रभ पड़े हैं। उनके पास कानी कुतिया सोई पड़ी है क्योंकि उसे भी पिछले कुछ दिनों से खाना नहीं मिला है। घर की दीवारों पर छिपकलियाँ इधर–उधर भाग रहे हैं क्योंकि वे भी इस अकाल के दुष्प्रभाव का अनुभव कर रही हैं। घर के चूहे भी बुरी हालत में हैं, क्योंकि घर में खाना बनने पर ही उन्हें भी खाने के लिए कुछ मिलता है। याने घर में ग्रस्त अकाल का परिणाम वहाँ के मनुष्यों पर ही नहीं सारे जीव–जंतुओं पर भी पड़ रहा है।

कवि नागार्जुन ने एक भी मानव पात्र को प्रस्तुत न करके अन्य जीव–जंतुओं और निर्जीव पदार्थों के ज़रिए घर की बुरी हालत का चित्रण अच्छी तरह किया है। अकाल के कारण वहाँ के सभी जीवजंतु निष्क्रिय, निश्चेष्ट पड़े हैं। इस प्रकार अकाल ग्रस्त घर के माहौल को प्रस्तुत करने में कवि नागार्जुन बिलकुल बिजयी बने हैं। यह कविता बिलकुल अच्छी और प्रासंगिक है।

ठाकुर का कुआँः

1. जोखू क्यों पानी पी नहीं सकता था?
   पानी बदबूदार था। इसलिए जोखू पानी पी नहीं सकता था।
2. गंगी रोज़ किस समय पानी भर लिया करती थी?
   गंगी प्रतिदिन शाम पानी भर लिया करती थी।
3. पानी बदबूदार होने के लिए क्या कारण बताया जा रहा था?
   पानी बदबूदार होने के लिए यह कारण बताया जा रहा था कि कुएँ में कोई जानवर गिरकर मर गया

होगा।

4. 'मगर दूसरा पानी आवे कहाँ से? ' – ऐसा क्यों कहा गया है?

गाँव के बाकी दो कुएँ ठाकुर और साहू के थे। इन दोनों कुओं से निम्न जाति के लोगों को पानी भरने नहीं देते थे। इसलिए ऐसा कहा गया है।

5. 'ठाकुर के कुएँ पर कौन चढ़ने देगा? दूर से लोग डाँट बताएँगे।' –इससे क्या समझ सकते हैं?

इससे यह समझ सकते हैं कि ठाकुर के कुएँ से निम्न जाति के लोगों को पानी की अनुमति नहीं दी जाती।

6. 'ला थोड़ा पानी नाक बंद करके पी लूँ।' – जोखू ऐसा क्यों कहता है?

जोखू कई दिनों से बीमार है। पानी गंदा होने से कुछ देर तक प्यास रोके पड़ा रहा। अंत में उसने गंगी से कहा कि 'ला, थोड़ा पानी नाक बंद करके पी लूँ।'

7. गंगी ने जोखू को पानी पीने के लिए क्यों नहीं दिया?

गंगी यह जानती थी कि खराब पानी से बीमारी बढ़ जाएगी। इसलिए गंगी ने वह गंदा पानी जोखू को पीने न दिया।

8. 'पानी कहाँ से लाएगी? ' – जोखू क्यों ऐसा सोचता है?

जिस कुएँ से गंगी पानी लाती थी उसका पानी खराब हो गया था। अन्य दो कुएँ ठाकुर और साहू के हैं। इन दोनों कुओं से निम्न जाति के लोगों को पानी लेने की अनुमति नहीं है। इसलिए जोखू ने ऐसा सोचा।

9. 'हाथ पाँव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा। बैठ चुपके से।' – जोखू ने ऐसा क्यों कहा?

गंगी ने कहा कि 'ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं। क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे? '– तब जोखू ने ऐसा कहा। क्योंकि ठाकुर और साहू के कुओं से निम्न जाति के लोगों को पानी भरने की अनुमति नहीं थी।

10. 'हम तो मर भी जाते हैं, तो कोई दुआर पर झाँकने नहीं आता'– जोखू ने ऐसा किसके बारे में कहा?

ठाकुर, साहू, पंडित जैसे उच्च जाति के लोग किसी की मृत्यु होने पर भी निम्न जाति के लोगों के घर में नहीं आते। इसलिए जोखू ने ऐसा कहा।

11. कानूनी बहादुरी की बातें कहाँ हो रही थीं?

ठाकुर के घर में कानूनी बहादुरी की बातें हो रही थीं।

सूचनाः 'ठाकुर का कुआँ' कहानी का यह अंश पढ़ें और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

"गंगी झुकी कि घड़े को पकड़कर जगत पर रखे कि एकाएक ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया। शेर का मुँह इतना भयानक न होगा।"

प्रः गंगी क्या कर रही थी? 1

गंगी ठाकुर के कुएँ से पानी की 'चोरी' कर रही थी।

प्रः 'ठाकुर के दरवाज़े का खुलना' क्यों भयानक था? 2

ठाकुर के कुएँ से निम्न जाति के लोगों को पानी लेने की अनुमति नहीं है। यदि पकड़ी गई तो ठाकुर गंगी को सजा देगी। इसलिए ठाकुर के दरवाज़े का खुलना भयानका कहा गया है।

(हाँफती हुईः കിതച്ചുകൊണ്ട് നज़रः ദൃഷ്ടി अछूतः തൊട്ടുകൂടാത്തവർ)

प्रः गंगी ठाकुर के कुएँ से पानी क्यों ले नहीं सकती थी?

उः गंगी निम्न जाति की मानी जाती थी।

जोखू–गंगी बातचीत–

(गंगी हाँफती हुई भागी–भागी अपने घर पहुँचती है)

गंगीः अरे! यह आप क्या कर रहे हैं?

जोखू: मैं क्या करूँ, पानी पिए बिना रह नहीं सकता।
गंगी: तो यह गंदा पानी कैसे पीते हैं? आपकी बीमारी बढ़ जाएगी न।
जोखू: यह प्यास मैं सह नहीं सकता। तुम पानी लाने गई थी न? मिल गया?
(गंगी चुपचाप खड़ी रहती है)
जोखू: क्यों चुप हो? क्या हुआ?
गंगी: मैं पानी ला नहीं सकी। क्या करूँ, ठाकुर और साहू के कुएँ से हम पानी ले नहीं सकते। लेकिन यह कैसा अन्याय है, कितनी बड़ी निर्दयता है!
जोखू: गंगी, उच्च जातिवालों की नज़र में हम निम्न जाति के लोग अछूत हैं।
गंगी: हे भगवान! यह अन्याय कब समाप्त होगा। पानी पिए बिना हम कैसे जिएँगे?

चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी:

गद्य पाठों के आधार पर किसी पात्र की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखनी भी पड़ती है। उदा: गंगी की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी, मोरपाल की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी, गुठली की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी, बेला/साहिल की चरित्रगत विशेषताओं पर टिप्पणी आदि।

ऐसे प्रश्नों में प्रस्तुत पात्र के चरित्र का विश्लेषण करना पड़ता है। साबित करने के लिए कुछ वाक्य पाठ से देना भी अच्छा होता है।
उदाहरण के लिए **गंगी की चरित्रगत विशेषताएँ**-
कुछ बिंदु:

- मुंशी प्रेमचंद की मशहूर कहानी 'ठाकुर का कुआँ' की नायिका (यह भी अवश्य जोड़ें।)
- अशिक्षित महिला
- अपने पति के स्वास्थ्य पर बड़ा ध्यान देनेवाली
- शोषण के खिलाफ़ आवाज़ उठानेवाली
- साहसी
- कड़ी मेहनत करनेवाली
- संकट दूर करने के लिए जोखिम उठानेवाली (जोखिम उठाना - റിസ്ക് എടുക്കുക)

गंगी की चरित्रगत विशेषताएँ: टिप्पणी

गंगी मुंशी प्रेमचंद की मशहूर कहानी 'ठाकुर का कुआँ' की नायिका है। वह निम्न जाति की मानी जाती है। उसका पति जोखू बीमार है। पति को पीने का पानी देने पर पता चला कि वह बदबूदार है। इससे गंगी परेशान होती है। ठाकुर के कुएँ से पानी लेने जाने पर जोखू डाँटता है कि 'हाथ–पाँव तुड़वा आएगी, बैठ चुपके से।' लेकिन वह पीछे मुड़नेवाली नहीं थी। रात को चुपके–चुपके वह ठाकुर के कुएँ से पानी लाने जाती है। अत्यधिक सावधानी से पानी लेते समय ठाकुर का दरवाज़ा खुलता है और गंगी वहाँ से बच जाती है। उसका विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों पर चोटें करता है। वह पूछती है कि 'ये लोग क्यों ऊँच हैं और हम क्यों नीच हैं? ' उसके मन में उच्च जातिवालों के प्रति विद्रोही भावना उठ जाती है। वह अपने पति से बहुत प्यार करती है। वह जानती है कि गंदा पानी पीने से बीमारी बढ़ जाती है। लेकिन बेचारी अनपढ़ गंगी यह नहीं जानती थी कि पानी उबालने से उसकी खराबी दूर होती है। संक्षेप में कहें तो प्रेमचंद जी गंगी को एक नायिका के रूप में प्रस्तुत करने में बिलकुल सफल हुए हैं।
(डाँटना: ശകാരിക്കുക पीछे मुड़ना: പിന്തിരിയുക सावधानी से: ശ്രദ്ധയോടെ)

संदेशसूचक (संदेश देनेवाला) पोस्टर
किसी सामाजिक समस्या पर आधारित होता है
(उदाहरण के लिए जातीय असमानता)
समस्या के day celebration पर आधारित हो सकता है
(उदाहरण के लिए जून 12 बालश्रम निषेध दिवस)
संदेशसूचक 2-3 वाक्य अवश्य लिखें।
किसी संस्था का नाम अंत में जोड़ें।

किस-किस विषय पर पोस्टर की संभावना है?

- **जातीय असमानता** के खिलाफ़ (ठाकुर का कुआँ)
- **लिंगपरक असमानता** के खिलाफ़ (ठाकुर का कुआँ, गुठली तो पराई है)
- **बालश्रम के खिलाफ़** (आई एम कलाम के बहाने, बच्चे काम पर जा रहे हैं)

जातीय असमानता अभिशाप है विषय पर एक पोस्टर तैयार करें।

जातीय असमानता अभिशाप है
मनुष्य जन्म से नहीं, कर्म से महान बनता है।
अस्पृश्यता मानवता और ईश्वर के प्रति अपराध है।
भारत धर्मनिरपेक्ष प्रजातांत्रिक देश है।
सबको समानता का अधिकार प्राप्त हो।
धर्म और जाति के नाम भेदभाव कानून के खिलाफ़ है।

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया थाः

सूचनाः 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' कविता पर लिखी टिप्पणी से लिया यह अंश पढ़कर दिए गए प्रश्न का उत्तर लिखें।
"यदि हम किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते।"
प्रः इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं?
उः मैं बिलकुल सहमत हूँ। दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है– जानकारियाँ ज़रूरी नहीं है। किसी व्यक्ति की हताशा, निराशा, असहायता या संकट जानकर उसकी सहायता देना महत्वपूर्ण है।
सूचनाः 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' टिप्पणी का अंश पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।
"सड़क पर घायल पड़े अपरिचित व्यक्ति को देखकर क्या हम कह सकते हैं कि उसे हम नहीं जानते? "
प्रः घायल पड़े व्यक्ति के प्रति हमारा व्यवहार कैसा होना चाहिए? अपना विचार प्रकट करें।
उः सड़क पर घायल पड़े किसी व्यक्ति की जानकारियाँ प्राप्त करने से भी महत्वपूर्ण उसे तुरंत ही अस्पताल पहुँचाना है। क्योंकि उसे हमारी सहायता की सख्त ज़रूरत है। यदि हम उनकी जानकारियाँ प्राप्त करने का प्रयास करें तो खतरा हो सकता है। (तुरंतः ഉടനെ, सख्तः ശക്തമായ, खतराः അപായം)

वाक्य पिरामिड

(अपरिचित, धीरे–धीरे)

व्यक्ति चलता है।

व्यक्ति कवि के साथ चलता है।

.....

.....

उत्तरः

व्यक्ति चलता है।

व्यक्ति कवि के साथ चलता है।

अपरिचित व्यक्ति कवि के साथ चलता है।

अपरिचित व्यक्ति कवि के साथ धीरे–धीरे चलता है।

सही मिलान

सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति को	उसकी हताशा, निराशा और संकट से जानना है।
हम जानते हैं कि	हमारा कर्तव्य है।
किसी व्यक्ति को जानने का मतलब	सहायता की ज़रूरत है।
हताश व्यक्तियों की सहायता करना	घायल व्यक्ति मुसीबत में है।

उत्तरः

सड़क पर घायल पड़े व्यक्ति को	सहायता की ज़रूरत है।
हम जानते हैं कि	घायल व्यक्ति मुसीबत में है।
किसी व्यक्ति को जानने का मतलब	उसकी हताशा, निराशा और संकट से जानना है।
हताश व्यक्तियों की सहायता करना	हमारा कर्तव्य है।

सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति घायल पड़ा। किसीने उसकी सहायता नहीं की। इस घटना पर एक **रपट**।

नवयुवक सड़क के किनारे घायल पड़ा रहा,
पुलिस ने आकर अस्पताल पहुँचाया।

तलिपरंबाः कल शामको 4 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग 17 पर धर्मशाला के पास हुई एक सड़क दुर्घटना में 24 साल का एक नवयुवक घायल पड़ा। दुर्घटना ग्रस्त युवक सड़क के किनारे करीब एक घंटे तक पड़ा रहा। सैकड़ों यात्री दृश्य देखकर जा रहे थे, लेकिन उसकी सहायता करने या अस्पताल पहुँचाने में तैयार नहीं हुए।। राजमार्ग पर पट्रोलिंग करनेवाली पुलिस आकर उसे अस्पताल पहुँचाया। घायल पड़े लोगों को सहायता नहीं मिलने से सड़क अनेकों लोगों की मृत्यु की जगह बन जाती है।

कवितांश के आधार पर व्याख्या

विनोदकुमार शुक्ल की कविता 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' के अनुसार एक व्यक्ति को जानने का मतलब उस व्यक्ति के नाम, पता, उम्र, ओहदा आदि से जानना नहीं। सही जानना यह है कि किसी व्यक्ति को उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से जानना। किसी मुसीबत में पड़े व्यक्ति को हम उसके नाम, पता, उम्र, जाति, ओहदा, धर्म आदि जानकर उसे बचाने का प्रयास नहीं करेंगे।

लेकिन हम यह जानते हैं कि उस व्यक्ति को हमारी मदद की ज़रूरत होती है। तब उसकी सहायता करना हमारा दायित्व होता है। उसके प्रति अनुताप प्रकट करना होता है।

ऐसे एक व्यक्ति को हाथ देकर उसे उठने में सहायता करना, कंधा देकर साथ–साथ चलना या सांत्वना देना आदि अत्यंत आवश्यक होता है। तब उस हताश व्यक्ति को बहुत बड़ा आराम मिलता है। कभी–कभी हताशा के कारण लोग आत्महत्या तक करते हैं। ऐसा व्यक्ति सही समय पर हमारी सहायता मिलने पर जिंदगी की ओर वापस आ जाता है। याने यहाँ उसकी हताशा, निराशा, असहायता या उसके संकट से नहीं जानते तो हम कुछ नहीं जानते। याने दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का अहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है।

बसंत मेरे गाँव काः

कुछ प्रश्न और उत्तर

प्रः पंचाचूली से चौखंभा तक पहुँचने में सूरज को कितने महीने का समय लग जाता है?
पंचाचूली से चौखंभा तक पहुँचने में सूरज को पूरे चार महीने का समय लग जाता है।

प्रः फूल भरी टोकरियों को पानी के भरे गागरों के ऊपर क्यों रखा जाता है?
फूलों को मुरझाए बिना सुबह पाने के लिए पानी से भरे गागरों के ऊपर रखा जाता है।

प्रः जिन घरों की देहरियों पर फूल डाले जाते हैं वहाँ के लोग बच्चों को दक्षिणा में क्या देते हैं?
जिन घरों की देहरियों पर फूल डाले जाते हैं वहाँ के लोग बच्चों को दक्षिणा में चावल, गुड़, दाल आदि देते हैं।

प्रः फूलदेई त्यौहार में बड़ों की भूमिका क्या होती है?
फूलदेई त्यौहार में बड़ों की भूमिका बच्चों को सलाह देना होती है।

प्रः चैती गीतों में क्या-क्या किस्से होते हैं?
चैती गीतों में पांडवों की हिमालय यात्रा के किस्से होते हैं और पहाड़ के बीरों की शौर्य गाथाएँ भी शामिल होती हैं।

प्रः किस मौसम में पशुचारक अपने जानवरों के साथ निचले इलाकों में उतरते हैं?
ठंड के मौसम में पशुचारक अपने जानवरों के साथ निचले इलाकों में उतरते हैं।

प्रः पशुचारकों के साथ क्या-क्या जानवर होते हैं?
पशुचारकों के साथ भेड़-बकरियाँ, घोड़े-खच्चर और कुत्ते होते हैं।

प्रः पशुचारक गाँववालों को क्या-क्या बेचते हैं?
पशुचारक गाँववालों को कीड़ाजड़ी, करण, चुरु जैसी दुर्लभ जड़ी व औषधियाँ बेचते हैं।

प्रः पशुचारक गाँववालों को सामान बेचते समय नकद-उधार के आँकड़े कहीं दर्ज नहीं करते। क्यों?
पशुचारक गाँववालों को सामान बेचते समय नकद-उधार के आँकड़े कहीं दर्ज नहीं करते। क्योंकि यह व्यापार आपसी विश्वास के बल पर चलनेवाला है।

प्रः बद्रीनाथ और केदारनाथ के मुख्य पुजारी कहाँ से नियुक्त होते हैं?
बद्रीनाथ और केदारनाथ के मुख्य पुजारी दक्षिण भारत से नियुक्त होते हैं।

प्रः पंचाचूली की पाँच चोटियों की ओर से सूरज प्रकट होता है तब मौसम कैसा होता है?
पंचाचूली की पाँच चोटियों की ओर से सूरज प्रकट होता है तब हाड़कंपा देनेवाली ठंड पड़ती है।

प्रः अपने घरों की ओर लौटते समय पशुचारक बहुत खुश होते हैं। क्यों?

उः अपने घरों की ओर लौटते समय पशुचारक बहुत खुश होते हैं। क्योंकि वे महीनों के बाद अपने–अपने घरों में वापस जा रहे हैं।

पटकथा

दिए गए प्रसंग पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें।

"इन गाँवों से इनका सदियों का रिश्ता है, इसीलिए उसी वक्त पूरी कीमत चुकाना ज़रूरी नहीं होता।"

दृश्य का वर्णनः

पात्रः दो पशुचारक, एक करीब 40 साल का, दूसरा करीब 45 साल का। दोनों धोती, कुर्ता और पगड़ी पहने हैं।

एक गाँववाला, करीब 50 साल का, धोती और बनियान और पगड़ी पहना है।

स्थानः गाँव की एक सड़क के किनारे।

समयः शामको छह बजे।

संवादः

पशुचारक 1: नमस्ते भैया, क्या चाहिए आपको?

गाँववालाः मुझे कुछ जड़ी–बूटियाँ चाहिए।

पशुः बताइए क्या–क्या चाहिए? कीड़ाजड़ी, करण और चुरु हमारे पास हैं।

गाँवः मुझे थोड़ा सा कीड़ाजड़ी और चुरु चाहिए।

पशुः इतनी तो बाकी पड़ी है। यह तो 120 रुपए का है।

गाँवः मेरे पास सौ रुपए ही हैं।

पशुः कोई बात नहीं, अगले साल बाकी दीजिए।

गाँवः ठीक है। दीजिए। बाकी 20 रुपए अकले साल दे दूँगा।

प्रश्न और उत्तरः

प्रः फूलदेई का त्यौहार किस ऋतु में मनाया जाता है?

उः फूलदेई का त्यौहार **बसंत ऋतु में** मनाया जाता है।

प्रः फूलों को बिना मुरझाए रखने के लिए बच्चे क्या करते हैं?

उः बच्चे फूलों को बिना मुरझाए रखने के लिए रिंगाल की बनी विशेष प्रकार की टोकरी में डालकर पानी से भरे गागरों पर रखते हैं। इससे फूल मुरझाए बिना रहते हैं।

प्रः चैती गीत में क्या–क्या शामिल होते हैं?

चैती गीत में पांडवों की हिमालय यात्रा के किस्से और पहाड़ के वीरों की शौर्य गाथाएँ शामिल होती हैं।

वाक्य पिरामिड की पूर्ति–

(सुबह, बच्चों की)

टोलियाँ घूमती हैं।

टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं।

.....

.....

टोलियाँ घूमती हैं।

टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं।

बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं।

सुबह बच्चों की टोलियाँ गाँव भर में घूमती हैं।

फूलदेई का त्यौहार – विशेषताएँ

फूलदेई उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में मनाया जानेवाला बच्चों का सबसे बड़ा त्यौहार है। बच्चे देर शाम तक फूल चुनते हैं और रिंगाल की टोकरी में भरकर जल भरे गागर के ऊपर रखे जाते हैं। सुबह बच्चों की टोलियाँ घर–घर घूमकर घरों की देहरियों पर फूल डालते हैं। जिसके घर में फूल डालते हैं वहाँ के लोग बच्चों को दक्षिणा के रूप में चावल, दाल, गुड़ आदि देते हैं। त्यौहार के अंतिम दिन फूलदेई की विदाई होती है। उस समय बच्चों के द्वारा सामूहिक भोज बनाया जाता है। बड़ों की भूमिका सिर्फ सलाह देना मात्र होता है। बाकी सारे काम बच्चे करते हैं।

सही मिलान

बसंतकाल के समय	पानी से भरे गागरों के ऊपर रखा जाता है
फूलदेई के त्यौहार के दौरान बच्चे	रिंगाल की टोकरियों में रखते हैं
बच्चे चुने हुए फूलों को	शाम तक फूल चुनते हैं
टोकरियों को पूरी रात तक	फूलदेई का त्यौहार मनाया जाता है

उत्तरः

बसंतकाल के समय	फूलदेई का त्यौहार मनाया जाता है
फूलदेई के त्यौहार के दौरान बच्चे	शाम तक फूल चुनते हैं
बच्चे चुने हुए फूलों को	रिंगाल की टोकरियों में रखते हैं
टोकरियों को पूरी रात तक	पानी से भरे गागरों के ऊपर रखा जाता है

वाक्य पिरामिडः (पीले, खूबसूरत)

फूल खिलते हैं।
पहाड़ों में फूल खिलते हैं।
.....
.....
फूल खिलते हैं।
पहाड़ों में फूल खिलते हैं।
पहाड़ों में **पीले** फूल खिलते हैं।
पहाड़ों में **खूबसूरत** पीले फूल खिलते हैं।

अभ्यास के लिए कुछ प्रश्नः

1. सही जोड़े लगाएँ।
   - पंचाचूली – चैती गीत
   - चौखंभा – चार शिखर
   - रिंगाल – पाँच शिखर
   - ढोल ढमाऊ – टोकरी
2. पंचाचूली से चौखंभा तक पहुँचने में सूरज को कितने महीने लग जाते हैं?
3. फूल सुबह तक नहीं मुरझाने के लिए बच्चे क्या करते हैं?
4. बुराँस के फूल के संबंध में आप लोग क्या जानते हैं?
5. पशुचारकों के आने–जाने के बारे में आप लोग क्या जानते हैं?
6. वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें।

सूरज छलाँग मारता है।

.....

.....

सूरज हर सुबह बालिश्त भर छलाँग मारता है।

7. देर शाम तक बच्चे फूल चुनते हैं।
   (बच्चियाँ का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।)
8. फूलदेई त्यौहार पर एक टिप्पणी लिखें।
9. बच्चे खेलते हैं।
   (लग का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।)
10. पशुचारक अपने–अपने घरों की ओर लौटते समय क्यों उत्सव का माहौल रच देता है?

11. सही जोड़े लगाएँ।

पशुचारक	– एकतारा
कीड़ाजड़ी	– जेठ की गर्मी
दक्षिण से आनेवाले महात्मा	– घोड़े–खच्चर
चौखंभा	– दुर्लभ हिमालयी जड़ी

12. सूरज नंदा पर्वत के पास से प्रकट होते समय किस ऋतु का समय होता है?
13. बच्चे सामूहिक भोज कैसे बनाते हैं?
14. सरसों के फूलों के संबंध में आप लोग क्या जानते हैं?
15. पशुचारकों और गाँववालों के बीच में किस प्रकार का लेन–देन चलता था?

16. वाक्य पिरामिड की पूर्ति करें।

यह उत्सव समाप्त हो जाता है।

.....

.....

फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है।

17. बच्चे फूलदेई के जश्न में शामिल हो जाते हैं।
   (बच्चियाँ का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।)
18. फूलदेई त्यौहार पर एक टिप्पणी लिखें।
19. लोग चैती गीत गाते हैं।
   (लग का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।)

दिशाहीन दिशाः

1. मोहन राकेश की इच्छा क्या थी?
   समुद्र–तटों के साथ एक लंबी यात्रा करने का
2. मोहन राकेश पहले कहाँ जाने को सोचा ?
   कन्याकुमारी।
3. अविनाश कौन है?
   मोहन राकेश का मित्र (एक दैनिक का संपादक)

4. 'रात के ग्यारह के बाद
हम घूमने निकले।' हम कौन–कौन है?
मोहन राकेश और उनका मित्र अविनाश
5. लेखक को थेर्ड क्लास के डिब्बे में कहाँ की सीट मिली ?
ऊपर की सीट
6. अब्दुल जब्बार कौन है?
एक बूढ़ा मल्लाह
7. भोपाल स्टेशन पर लेखक से मिलने के लिए कौन आया था?
उनका मित्र अविनाश
8. भोपाल ताल के पास पहूँचते समय मोहन राकेश के मन में क्या करने की इच्छा जाग उठी?
नाव लेकर कुछ देर झील की सैर की जाए
9. यात्रा केलिए किसकी ज़रूरत है?
यात्रा की रूप रेखा बनाना ज़रूरी है।
10. गोआ की विशेषताएँ क्या–क्या हैं?
खुला समुद्र तट, प्राकृतिक रमणीयता और जीवन बहुत सस्ता (खाने–पीने का खर्च कम) है।
11. मोहन राकेश अपनी यात्रा को दिशाहीन दिशा कहने का क्या कारण होगा?
यात्रा से संबन्धित लेखक की कोई निश्चित रूपरेखा नहीं थी।

सूचनाः 'दिशाहीन दिशा' यात्रावृत्त का यह अंश पढ़ें और 26 से 28 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

बूढ़े मल्लाह ने एक गज़ल छेड़ दी। उसका गला काफ़ी अच्छा था और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था। काफ़ी देर चप्पुओं को छोड़ वह झूम–झूमकर गज़लें सुनाता रहा। एक के बाद दूसरी, फिर तीसरी। मैं नाव में लेटा उसकी तरफ़ देख रहा था। उस सर्दी में भी वह सिर्फ एक तहमद लगाए था। गले में बनियान तक नहीं थी।

26. 'शायराना' का मतलब क्या है?
क) दोस्त के समान ख) मल्लाह के समान
ग) कवि के समान घ) प्रकृति के समान
उः ग) कवि के समान
27. सही वाक्य चुनकर लिखें।
क) मल्लाह गज़लें सुनाने लगा। ख) मल्लाह गज़लें सुनाना लगी।
ग) मल्लाह गज़लें सुनाने लगीं। घ) मल्लाह गज़लें सुनाना लगे।
उः क) मल्लाह गज़लें सुनाने लगा।
28. बूढ़े मल्लाह की वेश–भूषा कैसी थी?
उः बूढ़ा मल्लाह एक गरीब नाविक था। उस सर्दी में भी वह सिर्फ एक तहमद लगाए था। गले में बनियान तक नहीं थी।

सूचनाः 'दिशाहीन दिशा' यात्रावृत्त का यह अंश पढ़ें और 29 से 31 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

अविनाश ने झट से अपना कोट उतारकर उसकी तरफ़ बढ़ा दिया। कहा, "लो, तुम यह पहन लो। अभी हम लौटकर नहीं चलेंगे। तुम्हें कोई गालिब की चीज़ याद हो, तो सुनाओ।''

29. अविनाश ने कोट उतारकर किसको दिया?

क) मोहन राकेश को। ख) बूढ़े मल्लाह को।
ग) गरीब को। घ) भिखारी को।
उः बूढ़े मल्लाह को।

30. यहाँ 'गालिब की चीज़' का तात्पर्य क्या है?
उः यहाँ गालिब की चीज़ का मतलब है गालिब की गज़ल।

31. मान लें, भोपाल से लौटकर मोहन राकेश ने शुक्रिया अदा करते हुए अपना मित्र अविनाश को पत्र लिखा। वह पत्र कल्पना करके लिखें।

भोपाल स्टेशन में उतरना *रात को भोपाल में घूमना*
नाव में भोपाल ताल की यात्रा *मल्लाह का गज़ल गायन*

स्थानःअमृतसर,
तारीखः25-12-1952.

प्रिय अविनाश,

नमस्ते! आप कैसे हैं? आपके परिवार में सब कैसे हैं? मैं यहाँ ठीक हूँ।

मैं इस पत्र के द्वारा भोपाल की यात्रा के अनुभव के बारे में बताना चाहता हूँ। वास्तव में मेरा लक्ष्यस्थान भोपाल नहीं था। लेकिन आपने उसे बदल दिया। आपने मेरा सूटकेस लेकर आप चले थे। मेरे सामने और कोई उपाय नहीं था, सिर्फ आपके साथ चलना। आपके साथ भोपाल में घूमने अनुभव विशेष आनंददायक था। भोपाल झील में उस बूढ़े मल्लाह की नाव में जो सैर हुई थी वह तो विशेष उल्लेखनीय था। रातको उस बूढ़े मल्लाह के गायन का आस्वादन मैने खूब किया था। मैं इन अच्छे अनुभवों के लिए आपसे कृतज्ञ हूँ। बहुत धन्यवाद।

आपके परिवार को मेरा हैलो बोलना। आपसे फिर मिलने की कोशिश ज़रूर करूँगा।

आपका मित्र,
(हस्ताक्षर)
मोहन राकेश।

सेवा में
श्री अविनाश,
.....
भोपाल।

<u>बच्चे काम पर जा रहे हैं</u>

सूचना: 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का यह अंश पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

"कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं
सुबह–सुबह
बच्चे काम पर जा रहे हैं
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह ।"

प्रः हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति कौन–सी है?
हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है– बच्चे काम पर जा रहे हैं।
प्रः 'हमारे' में निहित सर्वनाम कौन–सा है? (मैं, हम, तुम)
'हमारे' में निहित सर्वनाम **हम** है।

बच्चे पढ़ाई और खेलों से वंचित हैं । ऐसे में **बालश्रम के खिलाफ़ एक पोस्टर** तैयार करें।

जून 12 बालश्रम निषेध दिवस

- *आज के बच्चे कल के नागरिक हैं।*
- *बच्चेखेल–खेलकर बड़े हों।*
- *पढ़–लिखकर ज्ञान प्राप्त करें।*
- *बालश्रम के कारण बच्चे बचपन से वंचित रहते हैं।*
- *बालश्रम रोक दें, बचपन वापस दें।*

बालश्रम निषेध समिति, कण्णूर

लखु लेख

- किसी विषय पर लखु लेख (आजकल ऐसे प्रश्न कम दिखाई पड़ते हैं।)
- **किसी विषय पर टिप्पणी लिखने का प्रश्न भी होने की संभावना है।**

बालश्रम समाज का अभिशाप है। इस विषय पर एक लघु **लेख** तैयार करें।

बालश्रम समाज का अभिशाप है।

आज के बच्चे कल के नागरिक हैं। इसलिए उनको खेल और पढ़ाई से बढ़ने और ज्ञान पाने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। तभी उनका सर्वांगीण विकास होता है। लेकिन हमारे देश में आज भी अनेकों बच्चे बालश्रम के शिकार बन रहे हैं। देश में बालश्रम के खिलाफ़ नियम तो हैं लेकिन आज भी यह अपराध चलता रहता है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम पास किया गया है। लेकिन सभी बच्चों को पढ़ने का अवसर आज भी उपलब्ध नहीं है। केरल में सभी बच्चों को पढ़ने का अवसर मिलता है लेकिन पूरे देश को लें तो यह बहुत कम है। बालश्रम के मुख्य कारण अभिभावकों की अज्ञता और उनकी गरीबी हैं। जब उनकी गरीबी दूर होगी तभी वे अपने बच्चों को स्कूल भेजने के लिए तैयार होंगे। इसपर सरकार को बहुत बड़ी कदम उठानी चाहिए। तभी देश से गरीबी दूर होगी, सभी बच्चों को पढ़ने का अवसर मिल जाएग।

सर्वांगीणः സർവ്വതോമുഖമായ शिकारः ഇര अधिनियमः ആക്ട് उपलब्धः ലഭ്യം अभिभावकः രക്ഷിതാക്കൾ

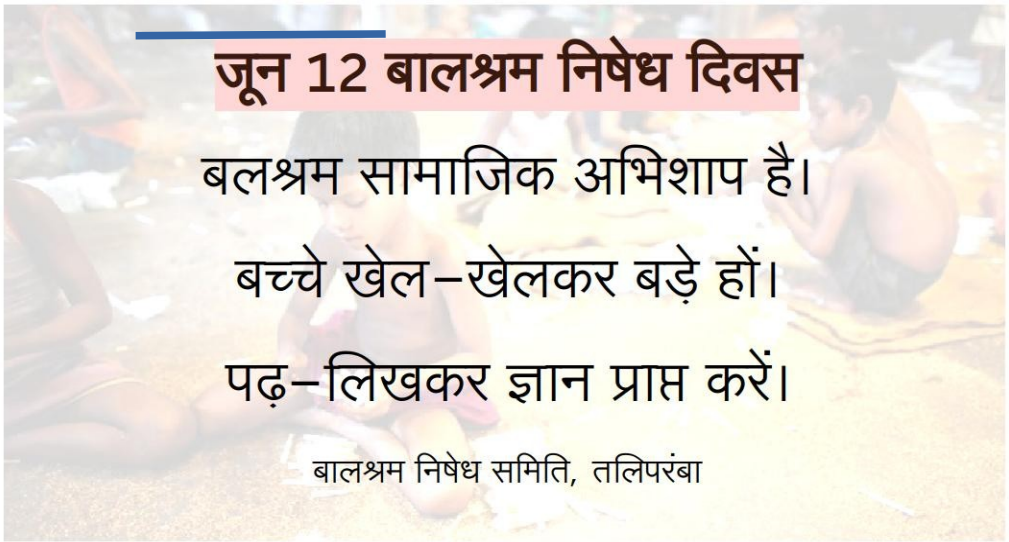

गुठली तो पराई है

1. गुठली तो पराई है किस विधा की रचना है?
   कहानी
2. कहानी की लेखिका कौन है?
   कनक शशि
3. गुठली को कौन अच्छी नहीं लगती थी?
   बुआ
4. गुठली को बुआ क्यों अच्छी नहीं लगती थी?
   बुआ हमेशा गुठली को उपदेश देती थी।
5. अरी बेवकूफ यह घर तो पराया है– किसने किससे कहा?
   बुआने गुठली से कहा
6. बुआ क्यों ऐसा कहती है?
   गुठली शादी के बाद ससुराल जाएगी। तब पति का घर ही उसका घर बनेगा।
7. कहानी में किस विषय की ओर संकेत है?
   लिंगपरक असमानता की ओर।

3. **'गुठली तो पराई है' के आधार पर पटकथा** 4

दृश्यः

स्थानः गुठली का घर

समयः सुबह 10 बजे

पात्रः 1. गुठली, 14 साल की लड़की, चूड़ीदार पहनी है।
2. बुआ, 65–70 साल की औरत, साड़ी पहनी है।

संवादः

बुआः गुठलिया, ऐसा पट–पट मत बोल।

गुठलीः क्यों?

बुआः अरे छोरी, लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे। कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं। ऐसे ही करेगी क्या अपने घर घर जाकर?

गुठलीः अपना घर? यही तो है मेरा घर, जहाँ मैं पैदा हुई।

बुआः अरी बेवकूफ, यह घर तो पराया है। बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है। ससुराल ही तेरा असली घर होगा। जैसे देख, पैदा तो मैं भी इसी घर में हुई थी, पर अब तेरे फूफाजी का घर ही मेरा घर है। कुछ समझी?

गुठलीः मैं नहीं मानती।

(**गुठली बाहर चली जाती है**)

सूचना : 'गुठली तो पराई है' कहानी का यह अंश पढ़ें और 1 से 3 तक के प्रश्नों के उत्तर लिखें।

"अरी बेबकूफ़ यह घर तो पराया है। बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है। ससुराल ही तेरा असली घर होगा। पैदा तो मैं भी इसी घर में हुई थी, पर अब तेरे फूफाजी का घर ही मेरा घर है।"

1. बुआ के अनुसार गुठली का अपना घर कौन–सा है? 1
   बुआ के अमुसार गुठली का अपना घर **ससुराल** है।

2. हमारे समाज में लड़कों को अधिक महत्व दिया जाता है। इस पर आप का विचार क्या है? 2

हमारे समाज में लड़कों को लड़कियों की तुलना में अधिक महत्व दिया जाता है। याने हमारा समाज पुरुष सत्तात्मक है। यहाँ लड़कियों को हीन दृष्टि से देखा जाता है। मेरा विचार है कि यह बिलकुल गलत है।

गुठली बुआ की बातें माननेवाली नहीं। वह सोचने लगी ऐसा क्यों? उसने अपने विचारों को डायरी में लिखा।

गुठली के उस दिन की डायरी कल्पना करके लिखें।

तारीखः 15–10–2006.

आज मेरी बुआ ने मुझसे पूछा कि ऐसी ही करेगी क्या अपने घर जाकर? मुझे बड़ा आश्चर्य हुआ कि फिर मेरा घर कौन–सा है। मुझसे कहा कि तू किसी और की अमानत है, ससुराल ही तेरा असली घर होगा। मुझे और भी दुख हुआ जब माँ ने बुआ का साथ दिया। माँ कह रही थी कि ये बातें कल होनेवाली हैं उनपर क्यों अभी दुखी होती हो। तो क्या असल में कल ऐसा ही होनेवाला है? क्यों ऐसा होता है? लडकियों के प्रति ऐसी हीनभावना क्यों होती है? क्या लड़कियों को लड़कों के समान अधिकार नहीं है? यह असमानता कैसे स्वीकार करूँ? मैं नहीं मानूँगी। मैं ज़रूर इसका विरोध करूँगी। कल से कुछ करना पड़ेगा। आज का दिन मेरे लिए दुखपूर्ण था।

तैयारीः

1. **रवि. एम**., जी.एच.एस.एस., कडन्नप्पल्लि, 9446427497
2. **सन्तोषकुमार. पी.के.**, जी.एच.एस.एस., कोरोम, 9447361274
3.**अशरफ़ एम.एम**., मुबारक एच.एस.एस., तलश्शेरी 9539147110
4. **सुलैमान ए.के**., जी.एच.एस.एस., कूत्तुपरंबा 9995208350
5. **दिनेशन एन**., जी.एच.एस.एस., पुषाति 9495016194